1033
1-11-18
गुरुवार

आत्मा

पुस्तकों के ज्ञान से "परमात्मा" को केवल पहचाना जा सकता है। पर जाना नहीं जा सकता है।

[illegible]
1/11/2018

1034

2-11-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"मैं" एक पवित्र आत्मा
कल भी था और
आज भी हु और कल
भी रहुंगा।

बाबा स्वामी
2-11-18

1055

3-11-18

शनीवार

आत्मा

मै एक शुद्ध आत्मा था

मै एक शुद्ध आत्मा हुं।

और एक शुद्ध "आत्मा"

रहुंगाँ।

बाबास्वामी

3/11/18

1036

4-11-18

रविवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" के रूप में
साक्षात परमात्मा
हमारे ही भितर है।

बाबास्वामी
4/11/18

1037

5-11-18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" भितर है,
इसलीये हमारा अस्तीत्व
है, अन्यथा "मुर्दा" को
क्या महत्व है।

बाबास्वामी
5|11|18

1038

6-11-18

मंगळवार

❀ आत्मा ❀

आप अपने भितर के परमात्मा को दिन मे कितना "समय" देते है।

बाबास्वामी
6/11/18

1039

7-11-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" को अलग अलग नाम से पुकारते है। वह एक ही है।

बाबास्वामी
7/11/18

1040

8.11.18

गुरुवार

आत्मा

"परमात्मा" की जीन्होने भी अनुभुती की है, वे सभी एक ही बात करते है।

"सबका "मालीक" एक है"।

बाबास्वामी
8/11/18

"साल मुबारक"

1041
9.11.18

शुक्रवार

आत्मा

जब शरीर का भाव
समाप्त होता है।
तब भितर से "परमात्मा"
प्रगट होता है।

बाबास्वामी
9/11/18

1042

10.11.18

शनिवार

❀ आत्मा ❀

परमात्मा तक पहुंचने का मार्ग "आत्मसाक्षात्कार" है।

बाबास्वामी

10/11/18

1043
11.11.18
रविवार

❀ आत्मा ❀

आत्मसाक्षात्कार एक जिंवन्त अनुभुती जो परमात्मा के जिंवन्त "माध्यम" से प्राप्त होती है।

बाबास्वामी
11/11/18

1044

12-11.18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"माध्यम" कल भी था
आज भी होता है,
और कल भी होगा।

बाबास्वामी
12/11/18

1045
13.11.18
मंगलवार

❀ आत्मा ❀

पाईप के बीना जीस
प्रकार पानी नही
पहुच सकता ठीक
वैसे ही "माध्यम" के
बीना परमात्मा प्रगट
नही हो सकता

बाबार-वाणी
13/11/18

1046
14.11.18
बुधवार-

❀ आत्मा ❀

"माध्यम" की खोज करना व प्राप्त करना जिवन का एक पडाव है, मंझील नही है।

बाबास्वामी
14/11/18

1047
15.11.18

गुरुवार

आत्मा

वर्तमान समय मे वर्तमान समय के "माध्यम" को औरा के कारण पहचानना जितना आसान है, इतना पहले कभी भी नहीं था

बाबास्वामी
15|11|18

1048
16.11.18
शुक्रवार

आत्मा

वर्तमान समय मे "औरा" से पहचानना तो आसान है। पर पहचान कर के "मानना" बड़ा कठिन है।

बाबास्वामी
16/11/18

1049
17.11.18
शनीवार

आत्मा

वर्तमान समय मे चित्त
इतना बाहर रहता है,
की भितर लाना ही
"कठीण" हो जाता है,

बाबास्वामी
17/11/18

1050

18-11-2018

रविवार

❀ आत्मा ❀

और मानने के लिये तो "चित्त" मिलर जाना आवश्यक है।

बाबास्वामी
18/11/18

19-11-18

सोमवार

आत्मा

मानना तो "आत्मा" का शुद्ध भाव है, जो भितर जाने पर ही उत्पन्न होता है,

बाबा स्वामी
19/11/18

1052

20-11-18

मंगळवार

❀ आत्मा ❀

"भाव" हमे भितर की
ओर ले जाता है,
तो "बुद्धी" हमे बाहर
की ओर ले जाती है,

बाबास्वामी
20 | 11 | 18

1053
21.11.18

बुधवार

ꕥ आत्मा ꕥ

"भाव" और "बुद्धी" यह दो अलग² दिशा होती है।

बाबास्वामी
21/11/18

1054
22-11-18
गुरुवार

❀ आत्मा ❀

बुद्धी से "औरा" को जानना चाहिये और बाद मे ही मानना चाहिये।

बाबास्वामी
22/11/18

1055

23-11-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

हमारा मानना सदैव हमारे जानने यानि "अनुभूति" पर ही होना चाहिये।

आकारवासी

23/11/18

1056

24-11-18

शनीवार

ꕥ आत्मा ꕥ

हमारी "श्रद्धा" की अनुभूती पर आधारीत होना चाहीये।

बाबास्वामी

24/11/18

1057

25-11-18

रविवार

❀ आत्मा ❀

बीना अनुभुती से
की गयी श्रद्धा "अंधश्रद्धा"
कहलाती है।

बाबास्वामी
25 | 11 | 18

1058

26-11-18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"अंधश्रद्धा" सदैव ही अच्छाई ही होती है।

बाबास्वामी
26/11/18

1059

27-11-18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

"अंधश्रद्धा" हमे सदैव नुकसान ही पहुचाती है। शरीर से मन से भाव से।

बाबास्वामी
27/11/18

1060

28-11-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

इस लीये हमारे पुर्वज
कह गये पानी पीयो
छान के और "गुरु"
करो तो जान के [अनुभुती
से]

बाबास्वामी
28 | 11 | 18

|06|

29-11-18

गुरुवार

आत्मा

1) "गुरु" ब्रम्हा गुरु विष्णु
गुरुदेवो महेश्वरा ॥

बाबास्वामी
29|11|18

1062

30-11-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

गुरु "ब्रम्हा" है, क्योंकी व आत्मा को जन्म देता है;

बाबास्वामी

30/11/18